भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं. 54
07/12/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वायुमंडलीय अवलोकन प्रणालियाँ कृषि- मौसम विज्ञान संबंधी सलाहकार सेवा और गहन महासागर सर्वेक्षण

54. श्री नरेश बंसल:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान देश ने पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में, विशेष रूप से वायुमंडलीय अवलोकन प्रणालियों, कृषि- मौसम विज्ञान संबंधी सलाहकार सेवा आदि के क्षेत्र में क्या प्रगति की है;

(ख) क्या सरकार का गहन समुद्र में खनन के लिए गहन समुद्र सर्वेक्षण करने और नीली अर्थव्यवस्था (ब्लूइकॉनॉमी) को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रखा है।

"वायुमण्डलीय प्रेक्षण प्रणालियों, कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शी सेवा और गहरे समुद्र सर्वेक्षण" के संबंध में दिनांक 07 दिसम्बर 2023 को उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *54 के (क) से (ग) के उत्तर में राज्य सभा के पटल पर रखा जाने वाला विवरण ।

(क) देश में नेटवर्क प्रणाली का विस्तार करने के माध्यम से विषम मौसमी घटनाओं की निगरानी एवं पूर्वानुमान में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण विकास किए गए हैं, जिसमें पिछले तीन वर्षों के दौरान 12 डॉपलर वेदर रडार (DWRs), 145 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (AWS) और 108 रनवे विजुअल रेंज (RVRs) इत्यादि की वृद्धि शामिल है।

वर्ष 2018 से अब तक कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शी सेवाएं (AAS) जिला स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक पहुंचाई गई हैं। वर्तमान में, कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण सभी 700 जिलों और लगभग 3100 ब्लॉक तक कृषि-मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शी सेवाएं (AAS) पहुंचायी जा रही हैं।

(ख) जी हां।

(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने वर्ष 2021 में डीप ओशन मिशन लॉन्च किया है, ताकि समुद्री संसाधनों के संवहनीय दोहन करने तथा ब्ल्यू इकोनॉमी का समर्थन करने के लिए गहरे समुद्र के संसाधनों का अन्वेषण किया जा सके। अभी तक, मध्य हिंद महासागर बेसिन में पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल्स (निकेल, कोबाल्ट, कॉपर, तथा मैंगनीज इत्यादि) तथा मध्य एवं दक्षिण पश्चिमी इंडियन रिज में हाइड्रोथर्मल सल्फाइड (कॉपर, जिंक इत्यादि) की खोज में गहन सर्वेक्षण तथा अन्वेषण कार्य निष्पादित किया गया है। इस क्षेत्र में अन्वेषण में हाइड्रोथर्मल गतिविधि वाले कुछ काफी संभावनापूर्ण स्थानों तथा सल्फाइड मिनरलाइजेशन जोन की पहचान की गई है।

*****